मध्यमा प्रथम वर्ष

तबला-परवावज

पूर्णांक:200, **न्यूनतम**:70

क्रियात्मक:125 **न्यूनतम**:44, **शास्त्र**:75 **न्यूनतम**:26

शास्त्र:

1) तबला/पखावज का संक्षिप्त इतिहास तथा उसका आधुनिक रूपमें परिवर्तन|

2) घराना तथा बाज की जानकारी देते हुऐ निम्नलिखित घरानों की सोदाहरण विस्तृत जानकारी|

   तबला : (1) दिल्ली (2) लखनौ

   पखावज : (1) पानसे (2) कुदोंहसिंह

3) निम्नलिखित गायन शैली तथा गायन प्रकारों की संक्षिप्त जानकारी

   (१) ख्याल (विलंबित-द्रुत)/धृपद (२) ठुमरी

   (३) भजन (४) तराना

4) स्वतंत्र तबला वादन/पखावज वादन तथा साथ संगति की साधारण जानकारी

5) तबला/पखावज वादक के गुणदोष

6) निम्नलिखित शब्दों की परिभाषा:

   फरमाईशी चक्रदार, तिहाई(बेदम, दमदार), गत, पेशकार/परने तथा उसके विभिन्न प्रकार

7) तबला :- त्रिताल, झपताल तथा एकताल के कायदे तथा रेलों को लिपिबद्ध करना|

   पखावज :- चौताल, सूलताल, तथा धमार के रेलों तथा परनों को लिपिबद्ध करना|

8) (अ) अपने वाद्य को स्वर में मिलाने के नियम

   (ब) सभी संगीत प्रकारों की संगति के लिये प्रयोग में लिये जाने वाले विभिन्न स्वरों के तबलों की जानकारी

   (क) पखावज के बाए पर आटा लगाने की विधि तथा कारण

क्रियात्मक:

1) निम्नलिखित तालों कें ठेके:-

   तबला : तिलवाडा, झपताल(विलंबित) अद्धा, आडाचौताल, खेमटा, सूलताल

   पखावज: झंपा, झपताल, बसंत, विक्रम(12 मात्रा), धुमाली

2) निम्नलिखित तालों की उपयोगिता विभिन्न संगीत प्रकारों में स्पष्ट करें एकताल, त्रिताल, दादरा, चौताल, धमार

3) तबला : अ) विलंबित त्रिताल तथा झपताल में मुखडे बजाना

   ब) कहरवा दादरा में लग्गी लगाना और तिहाई लेकर ठेका पकडना|

   पखावज : अ) चौताल तथा धमार में उठान बजाना|

   ब) धुमाली, दादरा में लग्गी लगाना और तिहाई लेकर ठेका पकडना|

4) निम्नलिखित तालों में विस्तार:

   (तबले के विद्यार्थी)

त्रिताल: अ) एक चतस्र तथा एक तिस्र जाती का कायदा चार पलटें तिहाई सहित,

ब) 'धिरधिर' का रेला तीन पलटों के साथ एक गत, एक फरमाईशी चक्रदार, टुकडे

क) 1,5,9,13 मात्राओंसे तिहाई लेकर सम पर आने का अभ्यास

झपताल : दो कायदे, एक रेला, तीन टुकडे, तीन तिहाई(सम से सम तक) दो मुखडे, एक चक्रदार सहित 15 मिनिट बजाने की क्षमता|

(पखावज के विद्यार्थी)

अ) चौताल तथा धमार में एक चतुस्र, एक तिस्र जाति का रेला चार पलटों तथा तिहाई के साथ

ब) "धिरधिर" का रेला तीन पल्टों के साथ, एक गत, एक फरमाईशी चक्रदार, टुकडे

क) विभिन्न मात्राओं से तिहाई लेकर सम पर आने का अभ्यास

5) निम्नलिखित बोलों को बजाने की क्षमता

(तबले के विद्यार्थी)

(१) धिरधिर किटतक तकीट धा

(२) धात्रक धिकिट कतगदिगन

(३) दिगदिनागीना(न्)

(४) तक दिन तक्

(पखावज के विद्यार्थी)

(१) धेतधिननक, धेतधिननक, धिननक

(२) धुमकिट धुमकिट तकिटतकाईकिट

(३) तकिट तका तिटकतगदिगन ता धा

6) निम्नलिखित तालों को हाथ से ताल देकर तिगुन लय में बोलने की क्षमता

तबला :- त्रिताल, झपताल, एकताल, रूपक तथा चौताल

पखावज:- चौताल, धमार, सूलताल, तीव्रा तथा त्रिताल

7) त्रिताल मे गत तथा फरमाईशी चक्रदार को हाथ से ताल देकर बोलने की क्षमता|

अंकपत्रिका:

सूचना: १) इस परीक्षा के लिए हर एक विद्यार्थी को 35 मिनिट का समय निर्धारित किया गया है|

२) विद्यार्थी को सभी वादन लहरा के साथ करना होगा|

३) पखावज के लिए पाठ्यक्रमानुसार पखावज के ताल पूछे जाएँगे|

1) तालों के ठेके तथा उनकी दुगुन बजाना - 10 अंक

2) विलंबित तालों के मुखडे बजाना - 10 अंक

3) त्रिताल मे विस्तार वादन (पाठ्यक्रमानुसार) - 40 अंक

4) झपताल में वादन (पाठ्याक्रमानुसार) - 30 अंक

5) दादरा, कहरवा में लग्गियाँ - 05 अंक

6) गत और फरमाईशी चक्रदार की पढंत - 05 अंक

7) पाठ्यक्रम मे दिये गए तालों को हाथसे तिगुन
लय में बोलने का अभ्यास - 10 अंक

8) निकास तथा तैय्यारी - 10 अंक

9) सामान्य प्रभाव - 05 अंक

कुल मौखिक - 125 अंक